(छ) भस्म लगाने का मन्त्र लिखें।

(ज) सन्ध्या न करने से कौन सा दोष होता है।

(झ) षडङ्गन्यास मन्त्रों को लिखें।

(ञ) ब्रह्मयज्ञ किसे कहते हैं।

प्रथम-वर्ग

2. भूतयज्ञ को संक्षेप में निरूपित करें। 5

3. ब्रह्मयज्ञ के शास्त्रीय विधि का निरूपण करें। 5

द्वितीय-वर्ग

4. जन्मोत्सव विधि का शास्त्रसम्मत वर्णन करें। 5

5. छायादान-विधि का अपनी भाषा में वर्णन करें। 5

तृतीय-वर्ग

6. जप का माहात्म्य बताते हुए उसकी शास्त्रीय विधि का वर्णन करें। 5

7. शास्त्रोक्त नित्य क्रियाओं का संक्षेप में निरूपण करें। 5

चतुर्थ-वर्ग

8. नान्दीमुख श्राद्ध का माहात्म्य बताते हुए उसके शास्त्रीय विधि को बताएँ। 5

9. पार्वण श्राद्ध की शास्त्रोक्त रीति का निरूपण करें। 5

A **(Printed Pages 2)**

Roll No. _____

A-177

बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2015

प्रायोगिक संस्कृतम्

प्रथम प्रश्न-पत्र

(*नित्यनैमित्तिककर्माणि*)

समयः घण्टात्रयम् **पूर्णाङ्क : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है।

1. अधोलिखित के लघु उत्तर दीजिए- 15

(क) करावलोकन मन्त्र लिखें।

(ख) भूमि-वन्दना का श्लोक लिखें।

(ग) प्राणायाम के 3 भेद बताएँ।

(घ) गायत्री मन्त्र लिखें।

(ङ) जप के 3 भेद बताएँ।

(च) शिखा बाँधने के लिए किस मन्त्र का प्रयोग किया जाता है।